छठ पूजा

©Heygreetings.in

©Heygreetings.in

दोहा

श्री रविहरत आ होरात तम, अगनीत किरण पासारी,

वंदन कारु तन चरण में, अर्घ देव जलधारी,

सकल सृष्टि के स्वामी हो, सच्चरर के नाथ,

निस्दिन हॉट हे तुमसे हाय, होवत संध्या प्रभात।

Read Online

©Heygreetings.in

चौपाई

जय भगवान सूर्य तम्हारी, जय खगेश दिनकर शुभकारी,
तुम हो सृष्टि के नेत्र स्वरूप, त्रिगुण धारी ट्राई वेद स्वरूप।

तुम ही कर्ता पालक संरक्षक, भुवन चतुर्दश के संचालक,
सुंदर वदन चतुर्भुज धारी, रश्मि राठी तुम गगन विहारी,

चक्र शंख अरु स्वेत कमलधर, वरमुद्रा सोहत छोठेकर,

Read Online

©Heygreetings.in

शीश मुक्त कुंडल गल माला, चारु तिलक तव भी विशाल।

शाक्त अश्व चूहा द्रुतगामी, अरुण सारथी गति अविरामी,

रक्त वारं भूषण धारक, अतिप्रिय तोहे लाल पदरथ,

सर्वतमा कहे तुमि ऋग्वेद, मेत्र कहे तुम को सब वेद,

पंच देव में पूजा करते, मन वंचित फल साधक पाटे

Read Online

©Heygreetings.in

द्वादश नाम जप लेखक, रोग शोक अरु कस्त निवारक,

माँ कुंती तव ध्यान लगायो, दानवीर सुत करण सो पायो,

राजा युधिष्ठिर तव जस गयो, अक्षय पात्र वो बन में पायो,

शास्त्र त्याग अर्जुन अकुरायो बन आदित्य हृदय से पायो।

विंध्याचल तब मार्ग में आया, हा कर तिमिर से चायो,

मुनि अगस्त्य गिरी गर्व मिटायो, निजतक बन से विंध्य न वायो,

Read Online

©Heygreetings.in

मुनि अगस्त्य तव महिमा गई, सुमिर भये विजयी रघुराई,
तोहे विरोक मधुर फल जाना, मुख में लिंही तोहे हनुमान।

तव नंदन शनिदेव कहवे, पवन ते सुत शनि तिर मितवे,
यज्ञ व्रत स्तुति तुम्हारी किन्ही, भेट शुक्ल यागुर्वेद की दिनि,

सूर्यमुखी खड़ी तार तव रूप, कृष्ण सुदर्शन भानु स्वरूप,
नमन तोहे ओंकार स्वरूप, नमन आत्मा अरु काल स्वरूप।

Read Online

©Heygreetings.in

दिग-दिगंत तव तेज प्रकाश, उज्जवल रूप तुमही आकाश,

दास दिग्पाल करात तव सुमिरन, अंजन नेत्र करत हे सुमिरन,

त्रिविध तप हरता तुम भगवान, ज्ञान ज्योति कर्ता तुम भगवान,

सफल बनावे तव आराधन, गायत्री जाप सर हे साधना,

संध्या त्रिकाल करात जो कोई, पावे कृपा सदा तव वही,

चित्त शांति सूर्याष्टक देवे, व्यधि उपाधि सब हर लेवे,

Read Online

©Heygreetings.in

आस्थादल कमल यंत्र शुभकारी, पूजा उपसन तव सुखारी,

माघ मास शुद्ध सप्तमी पवन, आरंभ हो तव शुभ व्रत पालन।

भानु सप्तमी मंगल कारी, भक्ति दयानी दोष हरि,

रवि वसर जो तुम को ध्याने, पुत्रादिक सुख वैभव पावे,

पाप रूप पर्वत के विनाशी, वज्र रूप तुम हो अविनाशी,

राहु आन तव ग्रास बनानावे, ग्रहण सूर्य तब को लग जाए।

Read Online

©Heygreetings.in

धर्म दन टैप करत है साधक, मितत राहु तब पिदा बढ़ा,
सूर्य देव तब कृपा कीजे, दिर्घा आयु बाल बुद्धि देजे,

सूर्य उपासना कर नित ध्याने, कुष्ट रोग से मुक्ति पावे,
दक्षिण दिशा तोरी गति ग्यावे, दक्षिणायन वही कहते हैं।

उत्तर मार्गी से उरु रथ होवे, उतरायन तब वो कहलावे,
मन अरु वचन कर्म हो पवन, संयम करत भले नित आर्धन।

Read Online

©Heygreetings.in

दोहा

भारत दास चिंतन करात, धर दिन कर तव ध्यान,
राखियो कृपा है भक्त पे, तुम्हारी सूर्य भगवान।

©Heygreetings.in

Read Online

©Heygreetings.in

छठी मैया गीत के बोल

ऊ जे केरवा जे फरेला खबर से, ओहा पर सुगा मदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, अदित होई ना सहाय

ऊ जे नरियार जे फरेला खबर से, ओही पर सुगा मेदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, अदित होई ना सहाय

Read Online

©Heygreetings.in

अमरुदवा जे फरेला खबर से, ओह पर सुगा मेदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, अदित होई ना
सहाय

शरीफवा जे फरेला खबर से, ओह पर सुगा मेदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, अदित होई ना
सहाय

नारंगिया जे फरेला खबर से, ओह पर सुगा मेदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, अदित होई ना
सहाय

Read Online

©Heygreetings.in

ऊ जे सेवा जे फरेला खबर से, ओह पर सुगा मेदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, अदित होई ना
सहाय

सबे फलवा जे फरेला खबर से, ओह पर सुगा मेदारे
मार्बो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुर्झाये
ऊ जे सुगनी जे रोयेले वियोग से, आदित होई ना
सहाय

Read Online